राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
छत्तीसगढ़

वर्ष 2019–20

ब्रिक्स

सामाजिक विज्ञान

कक्षा 6 से 8

मार्गदर्शक

पी. दयानंद (IAS)

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छ.ग., शंकरनगर, रायपुर

सहायक नोडल अधिकारी राज्य आकलन केन्द्र

डॉ. सुनीता जैन

अतिरिक्त संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छ.ग., शंकरनगर, रायपुर

विशेष सहयोग

के.पी.एम.जी., इंडिया

विषय समन्वयक

सामाजिक विज्ञान – विद्या डांगे

संकलन

डेकेश्वर प्रसाद वर्मा

तकनीकी सहयोग

आई संध्यारानी, संतोष कुमार तंबोली

ले–आउट

सुधीर वैष्णव

आमुख

किसी भी समाज की शिक्षा उस समाज की आवश्यकताओं और चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में होनी चाहिए। वर्तमान संदर्भों में यह जरूरी है कि बच्चे न केवल राष्ट्र के योग्य नागरिक बने बल्कि वैश्विक नागरिक बन कर सफलता हासिल करें। यह तभी संभव होगा, जब बच्चों में वैश्विक कौशलों का विकास किया जाए, जिससे प्रत्येक बच्चा हुनरमंद, योग्य नागरिक बनकर समाज की उन्नति में अपना योगदान दे सके।

यह आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक बच्चे के नजरिये से शिक्षा व्यवस्था का विश्लेषण किया जाए। इस विश्लेषण से उपजे परिणाम विकास का रास्ता तय करने में हमारी मदद करेंगे।

इस दिशा में सार्थक प्रयास आरंभ किए गए। राज्य स्तर पर सर्वप्रथम मंथन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में से एक प्रमुख चुनौती पूरी तीव्रता के साथ उभर कर सामने आई, वह थी, कक्षाओं में आकलन और अध्यापन का अलग–अलग होना। इससे बच्चों की नियमित व सतत् प्रगति का आकलन दुष्कर कार्य सिद्ध हुआ, साथ ही बच्चों के लिए सही समय पर उपचारात्मक शिक्षण (Remediation) में भी कठिनाईयाँ आईं।

आकलन यदि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का आवश्यक अंग बन जाता है तो बच्चे की प्रगति की नियमित जानकारी ली जा सकेगी, इस जानकारी के विश्लेषण के आधार पर यह पता लगाना संभव हो सकेगा कि कहाँ और किन क्षेत्रों में किस तरह के उपचार या सुधार कार्यों की आवश्यकता है।

इस रणनीति के तहत राज्य आकलन केन्द्र की स्थापना कर आगामी तीन वर्षों में सुधार, प्रगति व गुणवत्ता संवर्धन हेतु लक्ष्य निर्धारित किए गए :

1. सत्र 2019–20 में बेसलाइन आकलन
2. सत्र 2020–21 में मिडलाइन आकलन
3. सत्र 2021–22 में एण्डलाइन आकलन

इस तरह लक्ष्य को अंजाम तक पहुँचाने की पूर्ण तैयारी की गई। समूची शिक्षा व्यवस्था के प्रत्येक अंग को रचनात्मक, सावधिक एवं योगात्मक आकलन के लिए तैयार किया गया है। विषयवार लर्निंग आउटकम्स आधारित अभ्यास पुस्तिकाएँ, प्रश्न बैंक, रूब्रिक्स तैयार कर स्कूलों में भेजने एवं प्रशिक्षणों की सशक्त व्यवस्थाएँ राज्य स्तर पर की गई हैं। हमारा यही प्रयास हमारी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक विकास यात्रा को सार्थकता प्रदान करेगा।

इसी क्रम में यह शैक्षिक सामग्री आपको सौंपी जा रही है। विश्वास है कि बच्चों में विभिन्न कुशलताओं के विकास करने में यह सामग्री आपको सहयोग प्रदान करेगी।

नवम्बर 2019

रायपुर

पी.दयानंद IAS
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय वस्तु		पृष्ठ क्रमांक
1.	छठवीं		1 – 3
2.	सातवीं	–	4 – 6
3.	आठवीं	–	7 – 10

कक्षा—छठवीं
विषय— भूगोल

क्र.	अध्याय	उप—विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	सौरमण्डल में पृथ्वी	खलोगीय पिंड (सूर्य तारे, ग्रह, उल्कापिंड, क्षुद्र ग्रह	601	सौरमंडल में पाए जाने वाले खगोलीय पिंडों को जानता है।	सौरमंडल का सचित्र वर्णन कर पाता है।	तारे, ग्रह, उपग्रह में अंतर कर पाता हैं।	ग्रहों एवं उपग्रहों पर मानव जीव की संभावनाओं का विश्लेषण कर पाता हैं।
2.	ग्लोब अक्षांश रेखाएं देशांतर रेखाएं	ग्लोब, अक्षांश रेखाऐ, पृथ्वी के ताप कटिबंध, देशांतर रेखाएं	605	ग्लोब पर अंकित महाद्वीप, महासागरों विभिन्न देशों एवं आड़ी तथा खड़ी रेखाओं को पहचान पाता है।	ग्लोब की सहायता से पृथ्वी के अक्ष, कक्ष एवं गोलार्द्ध को समझ पाता हैं।	ग्लोब की सहायता से पृथ्वी का झुकाव, दिन रात की अवधारणा एवं ऋतु परिवर्तन को समझ पाता है।	पृथ्वी के घूमने के कारण मानव जीवन पर होने वाले प्रभावों को समझ पाता है।
				अक्षांश व देशांतर रेखाओं की संख्या व मुख्य अक्षांशों के नामों को जानता हैं।	अक्षांश व देशांतर रेखाओं की विशेषताओं को समझ हैं।	स्थानीय रेखा, प्रमाणिक रेखा, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा में अंतर करता है।	देशांतर रेखाओं के आधार पर किसी भी स्थान का समय ज्ञात करता हैं।
				पृथ्वी के मुख्य ताप कटिबंधों के नाम जानता है।	पृथ्वी के ताप कटिबंधों का सचित्र वर्णन करता है।	पृथ्वी के विभिन्न भागों में अलग—अलग ताप कटिबंध होने के कारणों को जानता है।	विभिन्न ताप कटिबंधों में आने वाले देशों के एवं वहाँ के निवासियों के जीवन में संबंध स्थापित करता हैं।
3.		पृथ्वी की घूर्णन गति एवं परिक्रमण गति	603	पृथ्वी के अक्ष, कक्ष व पृथ्वी के झुकाव को समझ पाएगा।	पृथ्वी के घूर्णन व परिक्रमण गति के कारणों को समझ पाएगा।	दिन—रात व ऋतु परिवर्तन का सचित्र वर्णन करता है।	पृथ्वी की परिक्रमण गति के कारण उत्तरी व दक्षिणी गोलाई की गोलार्द्ध जलवायु में अंतर को समझता हैं।
4.	मानचित्र	दूरी, दिशा, प्रतीक	607	मानचित्रों के प्रकारों को समझता हैं।	मानचित्र के घटक, दिशा, दूरी संकेत को समझता है।	दूरी, दिशा प्रतीक के आधार पर अपनी/घर का रेखाचित्र बनाता है।	दूरी, दिशा और प्रतीक के आधार पर किसी भी स्थान के मानचित्र का वर्णन करता है।
5.	पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल	भूमंडल, जल मंडल, वायुमंडल, जैव मंडल	602	भूमंडल, जल मंडल, वायुमंडल और जैव मंडल के बारे में जानता है।	विश्व के मानचित्र में महाद्वीप, महासागरों की स्थिति को दर्शाता है।	वायु मंडल की विभिन्न परतों का सचित्र वर्णन करता है।	भूमंडल, वायुमंडल तथा जल मंडल के बीच के प्राकृतिक संतुलन बनाने में मानव की भूमिका को समझ पाता है।

कक्षा–छठवीं
विषय– इतिहास

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	इतिहास के स्रोत		610	इतिहास के स्रोत के बारे में जानता है।	इतिहास के विभिन्न स्रोतों के बारे में जानता है।	इतिहास के एवं पुरातत्ववेता के बारे में जानता है।	भारतीय संस्कृति के विकास की कहानी का विश्लेषण करता है।
2.	आदिमानव	पत्थरों के औजार, आग का उपयोग, धार्मिक रीति–रिवाज खेती और पशुपालन	611	आदिमानव के निवास स्थान को जान पाता है।	आदिमानव कार्य एवं भोजन के बारे में जानता है।	आदिमानव के औजारों के बारे में जानता है।	आदिमानव के रहन–सहन का अपने रहन–सहन के साथ तुलना कर सकता है।
3.	सिंधु घाटी की सभ्यता	शासन व्यवस्था, खान–पास, रहन–सहन, सिंधु सभ्यता का अंत	613	खुदाई से प्राप्त अवशेष के आधार पर सिंधु घाटी की सभ्यता के विकास के बारे में जानता है।	सिंधु घाटी सभ्यता के भवन निर्माण शासन व्यवस्था, व्यापार, रहन–सहन के बारे में व्याख्या कर पाता है।	सिंधु घाटी सभ्यता का अंत कैसे हुआ? यह समझता है।	सिंधु घाटी सभ्यता के विकसित कॉलोनी का वर्तमान कॉलोनियों के साथ तुलना कर पाता है।
4.	वैदिक काल	ऋग्वैदिक या पूर्व वैदिक काल	611	वेदों को जान पाता है।	ऋग्वैदिक कालीन जनजीवन को समझता है।	उत्तर वैदिक कालीन जनजीवन की व्याख्या करता है।	ऋग्वैदिक कालीन और उत्तर वैदिक कालीन जनजीवन में तुलना करता है।
5.	महाजनपद काल	महाजनपद	617	महाजनपद व्यवस्था (काल) को जानता है।	मगध साम्राज्य की शासन व्यवस्था को समझता है।	महाजनपदों के जनजीवन की व्याख्या करता है।	महाजनपद काल की शासन व्यवस्था एवं धार्मिक प्रभाव का विश्लेषण करता है।
6.	नवीन धार्मिक विचारों	स्वामी महावीर एवं जैन धर्म की शिक्षाएं महात्मा गौतम बुद्ध एवं बौद्ध धर्म	618	जैन धर्म को जानता है।	बौद्ध धर्म को जानता है।	बौद्ध धर्म और जैन धर्म की शिक्षाओं की व्याख्या करता है।	बौद्ध धर्म और मानव धर्म की शिक्षकाओं का मानव जीवन में पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करता है

कक्षा–छठवीं
विषय– नागरिक शास्त्र

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	परस्पर निर्भरता		619	परस्पर निर्भरता का आशय समझता है।	गांव व शहर में भेजी व मंगायी जाने वाली वस्तुओं की सूची बनाता है।	आयात–निर्यात को जानता है।	देश की अर्थव्यवस्था में आयात–निर्यात के महत्व को समझता है।
2.	कातिक और केकती का गांव		620	गांव में किये जाने वाले काम धंधों को समझता	कुटीर उद्योगों व स्व–रोजगार में अंतर कर पाता है।	रोजगार के महत्व को समझता है।	गांव में रोजगार की संभावना को तलाशता है।
3.	पंचायती राज		623	त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को जान पाता है।	चुनाव की प्रक्रिया को समझता है।	ग्राम सभा की बैठक में व्यक्तियों की भागीदारी के महत्व को समझता है।	आम नागरिकों द्वारा दिये जाने वाले करों की उपयोगिता का विश्लेषण करता है।
4.	नगर पालिका और नगर निगम		625	नगर पालिका और नगर निगम के बारे में जानता है।	नगर पालिका और नगर निगम के मध्य अंतर करता है।	चुनाव की प्रक्रिया को समझता है।	अपने शहर के नगर पालिका/नगर निगम के कार्यों की समीक्षा करता है।
5.			624, 625	मोहल्ला, गांव, तहसील, जिले के बारे में जानता है।	जिले के सबसे बड़े अधिकारी के कार्यों को समझता है।	जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों को समझकर उसके संरचना और कार्यों में अंतर करता है।	अपने जिले के प्रशासनिक व्यवस्था का विश्लेषण करता है।

कक्षा–सातवी
विषय– इतिहास

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	छोटे–छोटे राज्यों का विकास	प्रमुख राजवंश – चोल, प्रतिहार, राष्ट्रकुट	716	चोल, प्रतिहार, राष्ट्रकुट राजवंशों के बारे में जान पाते है।	विभिन्न राजवंशों के कार्य, शासन व प्रशासन को समझ पाते है।	विभिन्न राजवशों के स्थापत्य कालों की तुलना करते हैं।	राजवंशों के शासन नीति की समीक्षा करते है।
2.	जीवन में आया बदलाव	जंगल, गांव व शहर के लोगों के जीवन में बदलाव व व्यापार भक्ति आंदोलन	719	गांव, शहर के लोगों के जीवन में आये बदलाव को जानते हैं।	गांव व शहर के व्यापार व्यवस्था को समझते है।	बौद्ध काल एवं मध्य काल के आध्यात्मिक प्रभाव में अंतर करते है।	मध्य काल के मंदिर एवं स्थापत्य कला का विश्लेषण करते है।
3.	दिल्ली सल्तनत की स्थापना	प्रमुख वंश तुगलक वंश खिलजी वंश सैय्यद वंश लोदी वंश	718	प्रत्येक वंश के राजाओं के बारे में वर्णन कर पाता है।	प्रत्येक वंश के राजाओं द्वारा लड़े गए युद्ध एवं उसके परिणामों को समझ पाता है।	राजाओं के शासन नीति की तुलना कर पायेगा।	राजाओं के कार्यों की समीक्षा कर पायेगा।
4.	दिल्ली सल्तनत का विस्तार	प्रमुख वंश– खिलजी वंश तुगलक वंश	718	इतिहास के स्रोत के माध्य से खिलजी वंश के राजाओं के बारे जानता है।	अलाउद्दीन खिलजी के शासन नीति एवं राज्य विस्तार को समझते है।	खिलजी एवं तुगलक वंश की शासन प्रशासन नीति की तुलना करते है।	तुगलक वंश के शासन की कार्य प्रणाली एवं उसके कार्यों का विश्लेषण करते है।
5.	सल्तनत कालीन जनजीवन	गांव व शहरी जनजीवन में परिवर्तन, इस्लाम धर्म का प्रभाव	721	सल्तनत काल में लोगों के जीवन में आये बदलाव को जानते है।	तर्कों द्वारा भारत में लाये गये तरीकों को समझते है।	सल्तनत काल में इस्लाम धर्म एवं हिन्दू धर्म की तुलना कर अध्ययन करते है।	सल्तनत काल के विद्वानों एवं संतों के विचारों का विश्लेषण करते हैं।

कक्षा–सातवीं
विषय– नागरिकता

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	देश और राज्य	भारत के राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश भारत एवं अन्य देश	725	भारत के राज्यों एवं पड़ोसी देशों को सूचीबद्ध करता है।	भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश में अंतर करता है।	भारत के मानचित्र में राज्य, पड़ोसी देशों का चित्रण करता है।	भारत के राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेश एवं पड़ोसी देशों की स्थिति में तुलना करता है।
2.	राज्य की सरकार (भाग–1)	सरकार	727, 728	केन्द्र सरकार व राज्य सरकार निर्माण की प्रक्रिया को जान पायेगा।	राज्य सरकार की चुनावी प्रक्रिया को समझ पायेगा।	राजनैतिक दल एवं उम्मीदवार की व्याख्या कर पायेगा।	सरकार गठन की संपूर्ण प्रक्रिया का विश्लेषण कर पायेगा।
3.	राज्य की सरकार (भाग–2)	कानून की आवश्यकता, कानून बनाने का तरीका	727, 726	सरकार के प्रमुख कार्य–कानून बनाना, कानून को लागू करना एवं न्याय व्यवस्था को जानता है।	कानून निर्माण की प्रक्रिया को समझता है।	कानून बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या करता है।	कानून लागू करने की प्रक्रिया का विश्लेषण करता है।
4.	उद्योग एक परिचय	छत्तीसगढ़ के कच्चा माल, दस्तकार, बाजार व्यवस्था	733, 734	कृषि कार्य को जानता है। उद्योग के लिए कच्चा माल की आवश्यकता को जानता है।	कृषि से संबंधित अन्य कार्य को समझता है।	छत्तीसगढ़ के संदर्भ में दस्तकारों की स्थिति व समस्याओं को समझता है।	दस्तकारी उसके उत्पाद एवं विक्रय केन्द्र एवं बाजार के बारे में विश्लेषण करता है।
5.	छत्तीसगढ़ के छोटे एवं बड़े उद्योग	छ.ग. छोटे एवं बड़े उद्योग	733, 734	छोटे एवं बड़े उद्योग को जानता है।	छोटे–बड़े उद्योग के उत्पादन प्रक्रिया को समझता है।	छ.ग. के बड़े उद्योगों स्थान का मानचित्र पर चित्रण करता है।	छोटे एवं बड़े उद्योग में तुलना करता है।
6.	मानव अधिकार (सामान्य चेतना)	मानव अधिकार	724	मानव अधिकार को जानता है।	लड़के एवं लड़कियों में होने वाले भेदभाव को समझता है।	बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों की व्याख्या करता है।	मानव अधिकार के प्रति समाज को जागृत करता है।

कक्षा–सातवीं
विषय– भूगोल

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	पर्यावरण	प्राकृतिक पर्यावरण मानवीय पर्यावरण	706	अपने आप–पास के वातावरण को जानता है।	प्राकृतिक पर्यावरण को समझता है।	मानवीय पर्यावरण एवं प्राकृतिक पर्यावरण में संबंध स्थापित करता है।	अपने आस–पास के वातावरण से मानवीय और प्राकृतिक पर्यावरण का विश्लेषण करता है।
2.	हमारी पृथ्वी के अंदर	पृथ्वी के आंतरिक संरचना	701	पर्पटी, क्रोड और मैटल की संरचना को जानता है।	शैलों के निर्माण को समझता है।	शैलों से बनी स्थलाकृतियों को चित्रण करता है।	पृथ्वी की आंतरिक संरचना का विश्लेषण करता है।
3.	हमारी बदलती पृथ्वी	प्रमुख स्थालाकृतियाँ	701	प्रमुख स्थालाकृतियों के बारे में जान पायेगा।	अंतर्जनित बल और बहिर्जनिक बल को समझ पायेगा।	अंतर्जनित बल और बहिर्जनिक बल के कारण बने स्थलाकृतियों का चित्रण करता है।	अंतर्जनित बल और बहिर्जनिक बल में तुलना करता है।
4.	वायु	वायुमंडल की संरचना मौसम और जलवायु	705	वायुमंडल में पायी जाने वाली गैसों को सूचीबद्ध करता है।	वायुमंडल की संरचना को समझता है।	मौसम और जलवायु को अपने दैनिक जीवन से संबंध स्थापित कर पायेगा।	वायुदाब पेटियों का वर्गीकरण कर पायेगा।
5.	जल	महासागरीय परिसंचरण और धाराएं	710	जल चक्र को जान पायेगा।	महासागरीय परिसंचरण को समझ पायेगा।	ज्वार–भाटा और महासागरीय धाराओं का चित्रण करता है।	गर्म जल धारा और ठंडी जल धारा में तुलना करता है।
6.	प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन	वन के प्रकार, घास स्थल	710	प्राकृतिक वनस्पति के प्रकारों को जानता है।	वन के प्रकारों को समझता है।	दैनिक जीवन के साथ संबंध स्थापित करता है।	वन्य जीवन और घास स्थल का विश्लेषण करता है।

कक्षा–आठवीं
विषय– इतिहास

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	आधुनिक यूरोप का उदय	आधुनिक काल की विशेषताएं, यूरोप का पुनर्जागरण, यूरोप का एशिया के साथ व्यापार	811	आधुनिक काल के इतिहास के स्रोत को जानता है।	आधुनिक काल की विशेषता को समझता है।	आधुनिक काल की घटनाओं का चित्रण करता है।	धर्म सुधार आंदोलन में मार्टिन लूथर की भूमिका का विश्लेषण करता है।
2.	भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी शासन की स्थापना	व्यापारिक सुविधा एवं युद्ध	812	भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी शासन की स्थापना को जान पायेगा।	प्लासी युद्ध, बक्सर युद्ध के द्वारा अंग्रेजों ने भारत पर अपना अधिकार जमाया था यह व्याख्या कर पायेगा।	भारतीय शासकों एवं अंग्रेजों की नीति का चित्रण का सकता।	भारत में विलियम बैंटिंग की सुधार नीति का विश्लेषण कर पायेगा।
3.	अंग्रेजी शासन का भारतीय जन जीवन पर प्रभाव	अंग्रेजों की कृषि नीति, दस्तकारी एवं शिल्प पर प्रभाव छ.ग. के प्रमुख आदिवासी विद्रोह	813	अंग्रेजी शासन का भारतीय जन जीवन पर प्रभाव को जानता है।	आदिवासी विद्रोह का प्रभाव, कृषि नीति शिल्प पर प्रभावों की व्याख्या करता है।	अंग्रेजों के लगान व्यवस्था का छ.ग. के निवासियों पर पड़ने वाले प्रभावों का चित्रण करता	छत्तीसगढ़ के शिक्षा एवं प्रेस के विकास का विश्लेषण

						है।	करता है।
4.	भारत का स्वतंत्रता संग्राम	भारतीय सैनिकों में असंतोष	814	भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कारणों को जानता है।	भारतीय सैनिकों के असंतोष के कारणों का व्याख्या करता है।	1857 के विद्रोह के कारणों का चित्रण कर पायेगा।	1857 के विद्रोह के असफलता के कारणों पर अपना विचार व्यक्त करता है।
5.	भारतीय समाज में नए विचार		819	समाज में फैले कुरीतियों को समझता है।	समाज में फैले कुरीतियों का व्याख्या करता है।	विभिन्न समाज सुधारकों के कार्यों का चित्रण करता है।	समाज में फैले कुरीतियों पर अपना विचार व्यक्त करता है।

कक्षा–आठवीं
विषय– भूगोल

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	संसाधन	संसाधनों के प्रकार	806	संसाधनों का अर्थ जानता है। अपने परिवेश में पाए जाने वाले प्राकृतिक व मानवीय संसाधनों की सूची बनाता है।	प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधन की व्याख्या उदाहरण सहित करता है	प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों का उपयोग करता है।	अपने दैनिक जीवन में उपयोगी संसाधनों का संरक्षण कर पायेगा। दुर्लभ एवं समाप्त होने वाले संसाधनों के विकल्पों का उपयोग करता है।
2.	भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक, वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन	भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन	804, 807	परिवेश में पाए जाने वाले वन, भूमि, जल आदि के प्रकार, बनावट प्राप्ति स्थल को समझता है।	मृदा, जल, वन आदि के महत्व एवं उनका उपयोग करना समझता है।	वन, भूमि, जल, मृदा के संरक्षण महत्व को समझता है तथा उनके दुष्परिणामों के फलस्वरूप मानव समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है समझता है।	दैनिक जीवन में .... कौन–कौन से वर्ष है, जिससे उक्त संसाधनों का संरक्षण हो सके व दूसरों को भी संरक्षण के लिए जागृत करता है।
3.	खनिज और शक्ति संसाधन		805	खनिज और शक्ति संसाधन को जानता है। विभिन्न प्रकार के खनिज और शक्ति संसाधन की सूची बनाता है।	खनिज और शक्ति संसाधन की व्याख्या उदाहरण सहित करता है।	खनिज एवं शक्ति संसाधन के उपयोग को समझता है।	खनिज एवं शक्ति संसाधन का विश्लेषण करता है।
4.	कृषि		802, 808, 809	कृषि कार्यों को जानता है। कृषि उत्पाद के रूपांतरण में सम्मिलित आर्थिक क्रियाओं की सूची बनाता है	कृषि के विभिन्न रूपों को उदाहरण के माध्यम से समझ कर व्याख्या करता है।	कृषि के उपयोगिता को समझता है।	कृषि के प्रकारों की तुलना करता है।

कक्षा–आठवीं
विषय– नागरिक

क्र.	अध्याय	उप–विषय	लर्निंग आउटकम्स	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
				याद करना, स्मरण करना, खोजना, लेबल लगाना वर्णन करना	समझना, व्याख्या कर पाना, संक्षेप करना, सुमेलित करना	लागू करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, ड्रा करना, गणना करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1.	अब मीता जानती है		825, 829	शरीर के विभिन्न अंगों में संवेदनशील अंगों को जानता है।	बाल शोषण को उदाहरण के माध्यम से समझता है।	अपने व आसपास में होने वाले बाल शोषण के विरूद्ध बचाव करने के उपायों को जानता है।	गुड टच और बेड टच में अंतर करता है।
2.	हमारा सविधान	संविधान सभा का गठन	823	स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु किये गये आंदोलनों को समझता है।	विभिन्न धर्म, भाषा और क्षेत्र का उदाहरण समझते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना को समझता है।	संविधान के गठन के महत्व को समझता है।	संविधान की उद्देशिका का विश्लेषण करता है।
3.	मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य		824, 825	सार्वजनिक जीवन में अधिकार एवं कर्तव्य को समझता है।	संविधान द्वारा प्राप्त मौलिक अधिकार की व्याख्या करता है।	संविधान द्वारा प्राप्त विभिन्न प्रकार के अधिकारों का प्रयोग करते हुए महत्व को समझता है।	अधिकार एवं कर्तव्य में अंतर करता है।
4.	केन्द्र की सरकार		826	केन्द्र सरकार के बारे में जानता है।	केन्द्र सरकार के अंगों की सूची बनाते हुए उसकी व्याख्या करता है।	केन्द्र सरकार के कार्यों व शक्तियों का चित्रण करता है।	केन्द्र सरकार व राज्य सरकार में अंतर करता है।
5.	हमारी न्याय व्यवस्था		829	अपने आसपास के घटनाओं से उचित अनुचित को जानता है।	न्याय व्यवस्था के विभिन्न स्तरों की व्याख्या करता है।	कानून के महत्व को समझता है।	दीवानी और फौजदारी मामलों में अंतर करता है।
6.	कर	बजट, कर के प्रकार	834	कर (Tax) के अर्थ को समझता है।	कर के प्रकारों की सूची बनाता है।	कर की उपयोगिता व महत्व को समझता है।	प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर की तुलना करता है।

दीक्षा एप कैसे इनस्टॉल करें ?

दीक्षा एप का उपयोग क्यों ?

- आसानी से कंटेंट एक्सेस - राज्य की सारी ई-सामग्री को दीक्षा पर देखा और पढ़ा जा सकता है वो भी बिना QR स्कैन किए
- डौन्लोडेड कंटेंट का ऑफलाइन रखाव - एक बार डाउनलोड किए गए कंटेंट को बिना इंटरनेट कनेक्शन के दोबारा एक्सेस किया जा सकता है ।
- बेहतर यूज़र इंटरफ़ेस और तेज़ रफ़्तार से कंटेंट लोडिंग।

दीक्षा एप को इनस्टॉल करने की पूर्वापेक्षाएँ :

- एंड्राइड OS 5.0 एवं उससे ऊपर का मोबाईल
- दीक्षा मोबाईल एप डाउनलोड और इनस्टॉल करने के लिए प्लेस्टोर एक्सेस करें।

1

प्लेस्टोर पर क्लिक करें।

2

सर्च-बॉक्स में दीक्षा टाइप करें

3

इनस्टॉल करने के बाद एप को ओपन करें

4

अपनी पसंदीदा भाषा चुनिये।

5

अपनी भूमिका का चयन करें - शिक्षक या विद्यार्थी।

6

एप को एक्सेस दें।

7

स्कैन पर क्लिक करें।

8

कैमरा को पाठ्यपुस्तक के QR कोड पर फोकस करें।

9

विषयवस्तु को प्ले करें।

सीखें कभी भी कहीं भी

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता

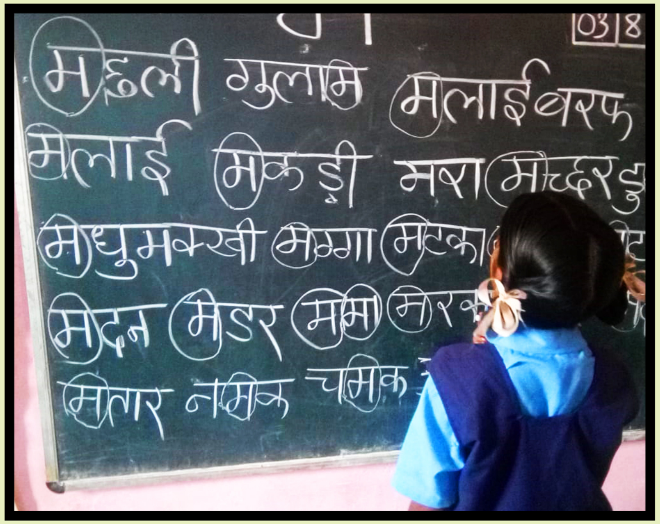

एस. एल. ए. आंकड़ों में

43,824 स्कूल
कक्षा – 1 से 8
विषय – समस्त
28,93,738 विद्यार्थी
उत्तर पुस्तिका – 1.41 करोड़